खनिज व पुलिस टीम ने 4 एलएनटी, 3 डंपर किए जब्त

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 10 फरवरी। मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश की सीमा से लगी रुन्ज नदी में उत्तर प्रदेश की ओर से रेत माफिया रेत का उत्खनन कर रहे थे जिसका विरोध ग्राम अमरछी के लोग निरंतर करते चले आ रहे थे की उत्तर प्रदेश की आड़ में मध्य प्रदेश की रेत रेत माफिया निकलते थे जिसकी शिकायत पर एसडीएम आलोक मार्को, तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, खनिज अधिकारी रवि पटेल सहित राजस्व खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम ग्राम अमरछी पहुंची।

वहां पर चार एलएनटी मशीन चल रही थी जिसमें से दो मध्य प्रदेश की सीमा पर थी दो उत्तर प्रदेश की सीमा में होना बताया गया एवं मौके पर तीन डंपर भी पकड़े गए परंतु उनका कहना था कि यह उत्तर प्रदेश की सीमा पर है तब चार एलएनटी, तीन डंपर, तहसीलदार सुरेंद्र कुमार की अगुवाई में जप्त किए गए। दो एलएनटी, तीन डंपर संदिग्ध परिस्थितियों में होने के कारण वहीं पर सुपुर्द की में दे दिए गए एवं दो एलएनटी मशीनों को पकड़कर खोरा पुलिस चैकी में पुलिस के सपोर्ट रखा गया।

तहसीलदार सुरेंद्र कुमार द्वारा बताया गया कि रून्ज नदी का सीमांकन किया जाएगा अगर पकड़ी गई दो एल एन टी तीन डंपर मध्य प्रदेश की सीमा में पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी वैधानिक कार्यवाही करते हुए खोरा पुलिस चैकी में खड़े करवाए जाएंगे शीघ्र एमपी-यूपी रुन्झ नदी का सीमांकन किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में हल्की सी रुन्ज नदी बहती है वहां पर रेत नहीं है रेत माफिया रात दिन मध्य प्रदेश की सीमा पर खनन करते थे और प्रशासन के पहुंचने पर उत्तर प्रदेश की ओर भाग जाते थे परन्तु आज प्रशासन ने रेत माफिया के खिलाफ बडी कार्यवाही की है शाम 3.00 बजे से कार्यवाही की गई जो देर शाम तक कार्यवाही जारी रही।

इनका कहना हैं

क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन पर निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी रुन्ज नदी का सीमांकन करवा कर उत्तर प्रदेश के रेत माफियाओं द्वारा खनन पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी।

सुरेंद्र कुमार तहसीलदार अजयगढ़।

खुले में बिक रही मिलावटी सामग्री, खाद्य विभाग चुप

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। जिले मे इन दिनों ढाबा होटलों तथा सड़क के किनारे लगने वाले ठेले राहगीरों को बीमारी परोसने का कार्य कर रहे हैं। मिलावटी तेल में बनी वस्तुओं को औने पौने दामों मे बेंचकर व्यापारी अपनी तो जेब भर रहे हैं लेकिन ग्राहकों को मिलावटी वस्तुओं के साथ बीमारी परोसने का कार्य किया जा रहा है।

किराने की दुकानों में मसाले, चाय की पत्ती, खाद्य तेल खुले मे बिक रहे हैं स्थिति यह है कि शहर के होटल और किराना की दुकानों पर खुले में रखा हुआ सामान उपभोक्ताओं को बेंचा जा रहा है। किराना दुकानदार खुद सामान की पैकिंग करने ग्राहकों को दे रहे हैं। उसमें न ही कोई पैकिंग की तारीख होती है जिसमें खाद्य विभाग की टीम कार्यवाही करने की लापरवाही कर रही है। इसका खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड रहा है खाद्य सुरक्षा अधिनियम बनने के बाद भी उसका पालन नहीं किया जा रहा है।

लापरवाही पर हो सकता है हादसा:- सार्वजनिक स्थानों में खुले में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करने से कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है घरेलू गैस सिलेंडर में घरेलू गैस चूल्हे में इस्तेमाल करने के हिसाब से कम प्रेशर से गैस भरी जाती है, लेकिन होटल संचालक गैस भट्टी पर सिलेंडर का उपयोग करने के लिये उसमें प्रेशर रेगुलेटर लगाते हैं।

दुकानों का नहीं है पंजीयन

जिले भर में स्थित ज्यादातर दुकानदारों का पंजीयन नहीं है। पंजीयन नहीं होने के कारण खाद्य विभाग को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि नगर में कितनी दुकानें संचालित की जा रही है किराना की दुकानों पर आटा, दाल, मैदा, चावल और अन्य खाने की सामग्री पैक करके बेची जा रही है बाजार आने वाले ग्राहकों को होटलों में गंदगी के अलावा कुछ नहीं मिल रहा है वहीं होटल एवं ढाबों पर दिए जाने वाले खाने से लोग बीमार हो रहे हैं। मिठाई की दुकानों में मिठाई तैयार करते समय सफाई का ध्यान हीं दिया जा रहा है इसके बाद संबंधित विभाग मौन है।

11 जुआंरियों के विरुद्ध पुलिस ने की वैधानिक कार्यवाही

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर दिनांक 09-10 की दरम्यानी रात्रि को पन्ना- सतना बॉर्डर क्षेत्र में स्थान बदल-बदलकर जुआ खेलने एवं जुए का फड़ संचालित करने वाले जुआरियों के विरुद्ध देवेंद्रनगर थाना पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले में जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिस पर पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में थाना प्रभारी देवेंद्रनगर संतोष सिंह यादव को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर स्थान बदलकर जुए का फड़ संचालित कर रहे हैं, जहाँ बाहर के जिलों से भी लोग आकर जुआ खेलते हैं। थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम ने पन्ना सतना बॉर्डर स्थित ग्राम गिरवार के पास जंगल क्षेत्र में दबिश दी गई। दबिश के दौरान मौके पर कुछ लोग रात्रि के अंधेरे में प्रकाश की व्यवस्था कर ताश के पत्तों से जुआ खेलते पाए गए, जिन्हें मौके से पकड़ा गया। पुलिस द्वारा मौके से 11 आरोपियों नरेन्द्र वर्मा पिता कंछेदी वर्मा उम्र 26 वर्ष निवासी गिरवारा, थाना देवेंद्रनगर, जिला पन्ना, भंडारी कुशवाहा पिता जमुना प्रसाद कुशवाहा उम्र 27 वर्ष निवासी गिरवारा, थाना देवेंद्रनगर, जिला पन्ना, बलवान सिंह बुंदेला पिता स्व. स्वरूप सिंह बुंदेला उम्र 63 वर्ष निवासी खगई, थाना जसो, जिला सतना, पुष्पेन्द्र कुशवाहा पिता गया प्रसाद कुशवाहा उम्र 19 वर्ष निवासी आदर्श नगर घुरडांग, थाना कोलगवां, जिला सतना, ज्ञानेंद्र सिंह दीक्षित पिता नवल सिंह दीक्षित उम्र 27 वर्ष निवासी आदर्श नगर घुरडांग, थाना कोलगवां, जिला सतना, दीपेन्द्र द्विवेदी पिता लालबहादुर द्विवेदी उम्र 25 वर्ष निवासी बिड़ला कंपनी के पीछे, घुरडांग, थाना कोलगवां, जिला सतना, राजू कुशवाहा पिता हजारीलाल कुशवाहा उम्र 40 वर्ष निवासी बेनीसागर मोहल्ला, आशीष लाज के पास, जिला पन्ना, . रामकिशोर मिश्रा पिता मोहन मिश्रा उम्र 56 वर्ष निवासी पुराना पावरहाउस के पास, बेनीसागर मोहल्ला, जिला पन्ना, राकेश सिंह बैस पिता रामकिशुन सिंह उम्र 44 वर्ष निवासी महोड़, थाना सिमरिया, जिला पन्ना, राजवेन्द्र लोध पिता गणेश लोध उम्र 38 वर्ष निवासी करिया, थाना सिमरिया, जिला पन्ना, सतेन्द्र राजपूत पिता गोपाल राजपूत उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम कचनारी, थाना गैसाबाद, जिला दमोह को गिरफ्तार किया गया एक बलेनो कार एवं एक बोलेरो कार 12 मोबाइल फोन सहित 27,000 रूपये नगदी एवं 52 पत्तो की ताश की गड्डी जप्त की गई। कुल लगभग 15 लाख की संपत्ति जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध थाना देवेन्द्रनगर मे संबंधित धाराओं के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

तहसीलदार ने मिट्टी के बर्तन, ईंट बनाने के लिए आरक्षित की भूमि

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 10 फरवरी। बदलते परिवेश में मिट्टी के बर्तनों का चलन खत्म होने लगा था परंतु धातु के बर्तनों का नकारात्मक परिणाम के कारण पुन: लोग पुराने समय की तरफ लौटने लगे हैं जब मिट्टी के बर्तनों में लोग खाना बनाते थे मिट्टी के तवे में रोटी बनाते थे।

मिट्टी की हांडी में दाल सब्जी बनाते थे परंतु धातु का समय आया लोग स्टील एल्युमिनियम की तरफ चले गए परंतु जब इसके परिणाम नकारात्मक रूप में लोगों को मिलने लगे तो अब फिर से लोग मिट्टी के बर्तन की तरफ आकर्षित होने लगे परंतु मिट्टी के बर्तनों का एक सीमित दायरा रह गया लोगों को मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगर जो कुम्हार जाति के होते हैं उनको मिट्टी की कमी पड़ने लगी। शासन द्वारा मिट्टी के बर्तनों को प्रोत्साहित करने रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शासन एक कारगर कदम उठाया गया शासन ने एक आदेश जारी किया जिसमें कुम्हार जाति के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं उनको मिट्टी सरलता से उपलब्ध कराई जाए शासकीय भूमि से शासन के आदेशानुसार अजयगढ़ तहसीलदार सुरेंद्र कुमार को शिव पूजन प्रजापति पिता मड़वा प्रजापति निवासी सव्दुआ ने तहसील कार्यालय

में तहसीलदार सुरेंद्र कुमार को मिट्टी के बर्तन बनाने को शासकीय भूमि से मिट्टी उपलब्ध कराने के लिए एक आवेदन पत्र दिया।

जिस पर तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए हल्का पटवारी से स्थल निरीक्षण करवाकर शासकीय भूमि का प्रतिवेदन मांगा पंचनामा लिया गया ग्राम पंचायत में मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए कुम्हार जाति के लोगों की उपस्थिती में उनके बताए अनुसार शासकीय भूमि नियम अनुसार सव्दुआ के आराजी नंबर 514 रकबा 0.420 में भूमि उपयुक्त पाई गई जिस मिट्टी से बर्तन बनाए जा सकते तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने अपना प्रतिवेदन एसडीएम आलोक मार्को को प्रस्तुत किया इस तरह से मिट्टी के बर्तनों का चालान और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है। कुम्हार चक में रखकर मिट्टी को आकार देकर बर्तन बनाते हैं बदलते समय में पहले पत्थर का चाकू हुआ करता था पर अब बिजली का भी चक्र चलने लगा है जिसमें कुमार जाति के लोग अपने बर्तन बनाते हैं।

इनका का कहना हैं

शासन से मिले निर्देशों के परिपालन में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाना है अभी सव्दुआ ग्राम से आवेदन प्राप्त होने पर जमीन चिन्हित कर उपलब्ध कराई जा रही है।

सुरेंद्र कुमार तहसीलदार अजयगढ़।

नियम विरुद्ध मैरिज गार्डन बने परेशानी का सबब

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। पन्ना जिला मुख्यालय सहित तहसील मुख्यालय में चल रहे मैरिज गार्डन एक दो को छोड़ कर लगभग सभी बिना निर्धारित मापदंडों को पूरा किये एवं बिना पंजीयन के चल रहे हैं। जो करोड़ों रूपये प्रतिवर्ष कमाकर अपनी झोली भर रहे हैं और शासन को फूडी कौड़ी टैक्स के रूप में नहीं दे रहे हैं।

इस समय नगर मे देखा जा रहा है कि लोगों अपने निजी स्वार्थ व पैसा कमाने के चलते नियम विरूद्ध जहां तहां शादी पर खोलने में नहीं चूक रहे हैं। जबकि यदि शादी घरों के संचालक की सच्चाई पर गौर किया जाये तो किसी भी शादी घर की खोलने के लिये शासन द्वारा निर्धारित मापदंड बनाये गय है मगर शायद, ही नगर में संचालित होने वाले इन शादी घरों में शासन के मापदंडों को पूरा करता हो। लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक अनदेखी एवं कमीशनखोरी के चलते बेरोक टोक अवैध विवाह घर चल रहे हैं क्योंकि किसी भी व्यक्ति द्वारा शादी घर शुरू करने के लिये बनाये गये नियमों का पालन करने के संबंध में न बताया जाता है कि शादी घर उस जगह पर होना चाहिए जिसमे आयोजन के द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण से किसी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े।

खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026 में ओम को मिला कांस्य पदक

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। हाल ही में मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 में महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय से बी.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र ओम गुप्ता ने 90 किलोग्राम वर्ग जूडो खेल में कांस्य पदक जीत कर प्रदेश स्तर पर अपना एवं महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

छात्र के द्वारा जिला एवं संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए उपरोक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता की गई एवं अंतिम परिणाम के रूप में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। महाविद्यालय के छात्र की इस शानदार उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस.डी. चतुर्वेदी द्वारा छात्र को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया है तथा आने वाले समय में महाविद्यालय में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कर इस सत्र में सभी खेलों के विजेता छात्रों एवं छात्र ओम गुप्ता को सम्मानित करने की बात कही है।

गेहूं उपार्जन के लिए 7 मार्च तक होगा पंजीयन

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन कार्य 7 फरवरी से आरंभ हो चुका है। आगामी 7 मार्च तक कृषक पंजीयन करा सकते हैं।

इसके लिए जिले में 46 पंजीयन केन्द्र भी निर्धारित किए गए हैं। पन्ना तहसील में बृजपुर, लक्ष्मीपुर, जरूआपुर, सिलधरा, बराछ एवं कृषि उपज मंडी प्रांगण पन्ना में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इसी तरह देवेन्द्रनगर तहसील में समिति कार्यालय देवेन्द्रनगर एवं जवाहर विपणन कार्यालय देवेन्द्रनगर सहित जिगदहा, गौरा, श्यामरडाडा एवं अमानगंज तहसील में कृषि उपज मंडी अमानगंज एवं पगरा, महेबा, पुरैना, कमताना, जसवंतपुरा एवं महुआडाडा, पवई तहसील में समिति कार्यालय पवई, मुड़वारी, करही, पडरियाकलां, सिमरिया तहसील में समिति कार्यालय सिमरिया, मोहन्द्रा, रैकरा, कोनी एवं सिंगवारा, रैपुरा तहसील में कृषि उपज मंडी रैपुरा, मड़वा एवं मलघन, शाहनगर तहसील में बिसानी, शाहनगर और बोरी तथा अजयगढ़ तहसील में विपणन समिति कार्यालय अजयगढ़ सहित समिति कार्यालय मझगांय, हरदी, शानगुरैया और धरमपुर में किसान पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

पति ने पत्नी की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंका

पन्ना 10 फरवरी। शाहनगर अंतर्गत खमतरा ग्राम में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पति ने अपनी ही पत्नी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर खजुरी हार क्षेत्र में मीरा बाई पति निर्भय सिंह राठौर, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी ग्राम खमतरा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। ग्रामीणों के अनुसार महिला की हत्या कुल्हाड़ी से की गई है। बताया जा रहा है कि यह घटना शाम 4 बजे की बताई जा रहीं है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। वहीं मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई कर शव को कब्जे मे लिया हैं। पुलिस द्वारा आरोपी पति की तलाश एवं मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। घटना के बाद से गांव में डर का माहौल है, जिसे देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

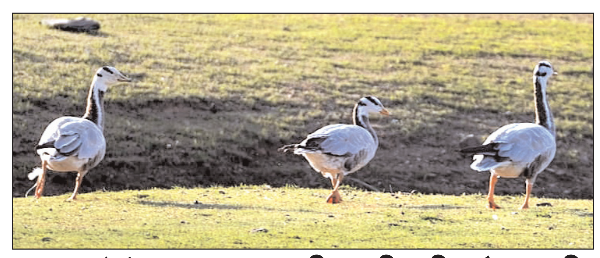

बार-हेडेड गूज प्रवासी पक्षी की मौजूदगी वन परिक्षेत्र के लिए शुभ संकेत

नवभारत न्यूज

पवई 10 फरवरी। दक्षिण पन्ना वनमण्डल इन दिनों प्रवासी पक्षियों के लिए एक अनुकूल क्षेत्र बना हुआ है, जहां हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर प्रवासी पक्षी यहां के जलाशयों,तालाबों बांधों के पास आर्द्र एवं शुष्क स्थान पर देखे जा रहे हैं।

कुछ दिन पूर्व ही वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल के द्वारा दुर्लभ प्रजाति के आठ प्रवासी पक्षियों की तस्वीर को एक ही फ्रेम में कैद किया था। एक बार फिर पवई रेंज के सुनेही बीट में वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल द्वारा बार-हेडेड गूज का अवलोकन एवं फोटोग्राफी की गई।

इस पक्षी की उपस्थिति क्षेत्र की आर्द्रभूमियों की पारिस्थितिक महत्ता को दर्शाती है और यह संकेत देती है कि यहां का प्राकृतिक आवास प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल बना हुआ है। वन विभाग द्वारा इस तरह के दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण एवं निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बार-हेडेड गूज विश्व के सबसे ऊंची उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिनी जाती है, जो मध्य एशिया और तिब्बत क्षेत्र से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर भारत की आर्द्रभूमियों तक पहुंचती है। यह पक्षी हिमालय के ऊपर अत्यधिक ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में भी उड़ान भरने की अद्भुत क्षमता रखता है।

इसकी मौजूदगी न केवल जैवविविधता की समृद्धि को दर्शाती है, बल्कि जलाशयों की स्वच्छता और सुरक्षित आवास की स्थिति का भी सकारात्मक संकेत मानी जाती है। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पक्षी मुख्यत: अक्टूबर से फरवरी माह के बीच अत्यधिक संख्या में प्रवास पर आते हैं यह समय उनके प्रवास के लिए उपयुक्त माना गया है।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। जिले में फाईलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारम्भ शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ में किया गया।

उक्त कार्यक्रम में राज्य कार्यक्रम अधिकारी व्ही.बी.डी.सी.पी. भापोल- डॉ. हिमांशु जायसवार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी- डॉ.आर.पी.तिवारी, जिला मलेरिया अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष अजयगढ़- श्रीमती सीता सरोज गुप्ता, पूर्व मण्डल अध्यक्ष- सीलू श्रीवास्तव, आर.आर.एस. कार्यकर्ता अजयगढ़- बीरेन्द्र जैन, वार्ड पार्षद, वार्ड क्र.4 अजयगढ़- नारायणदास रजक एवं स्वास्थ्य विभाग का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे। राज्य कार्यक्रम अधिकारी व्ही. बी. डी. सी. पी. भापोल- डॉ. हिमांशु जायसवार द्वारा बताया गया, कि प्रदेश के 8 जिलों के 12 विकासखण्डों में फायलेरिया से बचाव हेतु सामुहिक दवा सेवन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पन्ना जिले के अजयगढ़ एवं पवई विकासखण्डों में सामुहिक दवा सेवन का आयोजन हो रहा है। फायलेरिया बीमारी से बचाव हेतु सभी लोगों को दवा का सेवन करना आवश्यक है। इससे हाथीपांव एवं हाइड्रोसील रोगों से बचाव होता है। फायलेरिया संक्रिमित व्यक्ति में लक्षण उत्पन्न होने में 8 से 10 वर्षो तक का समय लगता है।

अत: स्वस्थ्य दिखने वाले व्यक्ति में भी फायलेरिया के रोगाणु हो सकते है, इसलिये सभी लोगो दवा का सेवन करना आवश्यक है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अजयगढ़- श्रीमती सीता सरोज गुप्ता ने स्वयं फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर एम.डी.ए. कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा समस्त आम जनता से फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करने की अपील की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.आर.पी.तिवारी, के द्वारा बताया गया कि इस दवा के कोई भी हानिकारक प्रभाव नही है। फाइलेरिया रोग एक बार हो जाने पर इसका कोई भी उपचार नही है, इसलिए एम.डी.ए. कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष में एक वार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जाता है।

पवई में शांतिपूर्ण ढंग से हुई बारहवीं की परीक्षा

नवभारत न्यूज

पवई 10 फरवरी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा प्रदेश में 10 फरवरी से हायर सेकेंडरी 12 वीं की परीक्षा की शुरुआत हुई है। मंगलवार को अंग्रेजी विषय की परीक्षा संपन्न हुई। पवई नगर के दो केंद्रों सहित जनपद शिक्षा केंद्र अंतर्गत बनाए गए आठ केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुई।

पवई नगर में इस बार शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं आदर्श बुंदेलखंड विद्यापीठ विद्यालय दो केंद्र बनाए गए हैं ,जहां कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दर्ज 62 विद्यार्थियों में से सभी ने उपस्थित होकर परीक्षा दी,तो वही बुंदेलखंड विद्यापीठ में दर्ज 190 विद्यार्थियों में सभी ने उपस्थित होकर अंग्रेजी विषय का पेपर दिया। विकासखंड अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिमरिया में दर्ज 386 में 379, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहन्द्रा में दर्ज 158,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंवरपुर में 140 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णगढ़ में दर्ज 225 में 222 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्दा में 68 में 66,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुनवानी कला में 156 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। सभी आठ केंद्रों के 1385 में से 1373 विद्यार्थी शामिल हुए। वहीं 12 अनुपस्थित रहे। इस दौरान विकास खंड स्तरीय निरीक्षण दल के द्वारा जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी हुकम सिंह यादव, बी आर सी राजेश पटेल, श्रीमती संध्या पटेल,बीएसी रघुवीर तिवारी,राघवेंद्र सिंह ने तीन परीक्षा केंद्र शासकीय कन्या,बुंदेलखंड एवं कुंवरपुर का निरीक्षण किया जहां परीक्षाएं सुचारू रूप से संपन्न पाई गई |कंट्रोल रूम प्रभारी विजय कुमार गौतम, सुमन सेन और देवेश सिंह को नियुक्त किया गया है।

शहर की सड़कों से लेकर गांव की गलियों तक नशे का काला साम्राज्य, बर्बाद होती युवा पीढ़ी

नवभारत न्यूज

पन्ना 10 फरवरी। नशे का काला साम्राज्य शहर की सडकों से लेकर गांव की गलियों तक में खुले आम अपनी पैर जमा लिया है और इसके मकडजाल में फंसकर युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। शराब, गुटखा, तम्बाकू, बीडी सिगरेट, कोरेक्स, स्मैक सहित भांति भांति के नशीले पदार्थो की खेप पर खेप बडे स्तर से लेकर छोटे स्तर तक बडी सुगमता से पहुंच रही है।

हमारी संवैधानिक व्यवस्था भले ही बालश्रम निषेध की बात करती हो लेकिन हकीकत कुछ और है जिससे मुंह नहीं मोडा जा सकता बल्कि सच्चाई को स्वीकार करने की आदत हमें डालनी होगी। संवैधानिक उपबंधों एवं बाल श्रम को रोकने की बात करने वाले एनजीओ एंव अन्य संस्थाओं की भरमार भले हो लेकिन स्थिति इतनी बदतर है कि बालश्रम पर अंकुश आज तक नहीं लगाया जा सकता है यह उसी की परिणति है कि शहरों एवं कस्बों में कबाड बीनने वाले छोटे छोटे नौनिहाल तक वाहनों के पंचर बनाने में प्रयुक्त होने वाले द्रव पदार्थ साल्यूशन को भी नशे के तौर पर सूंघते हैं।

गांव में नशे में डूबी युवा, चिंता का विषय:- कॉलेज आते आते नशे का दायरा और भी बढ़ता चला गया तथा बुरी संगत के चलते गुटखे एवं सिगरेट का सेवन करने वाले बच्चे अब वयस्कता के साथ शराब, कोरेक्स, गांजा इत्यादि का प्रयोग भी करने लगते हैं। इनमें हम उन्हें भी शामिल कर लें जो स्कूल के बाद पढाई छोड चुके हैं, तो भी पाते हैं कि उनमें भी नशे के प्रति आकर्षण उतना ही है। देश के किसी भी शहर/कस्बे/गांव को ले लीजिए आपको अधिकांशत: युवा नशे की लत के शिकार मिल जाएंगे।

कदम-कदम पर उपलब्ध हैं नशे की सामग्री

नशे का प्रसार इतना व्यापक हो चुका है कि बच्चे किशोरावस्था से ही इसकी चपेट में आने लग जाते हैं। यह स्तर अनुमानत: नौंवी कक्षा से लगभग शुरु हो जाता है, बच्चे घर से टयूशन/कोचिंग के लिए जाते हैं तथा पान की गुमटियों से सिगरेट की फूंक मारनी प्रारंभ कर देते हैं। एक समय वह भी था जब हमारे समाज में नैतिकता उच्च शिखर पर होती थी, किंतु समय के साथ इसमें लगातार गिरावट आती गई। लगभग दस वर्ष पीछे के समय में जांए और आंकलन करें तो हम पाते हैं कि दुकानदार छोटे एवं स्कूली बच्चों को गुटखा, सिगरेट इत्यादि किसी भी कीमत पर नहीं देते थे, बल्कि उल्टें डांट डपट कर हिदायत देते थे। लेकिन जब से आधुनिकता की भेड चाल चलने की लगत लगी तो स्थितियां ठीक उलट हो गई आजकल तो चाय पान ठेले वाले स्कूली बच्चों को ही अपना स्थायी ग्राहक बनाकर उनके लिए सरलता से नशा करने का अड्डा उपलब्ध करवाते हैं।